एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2, अंक -17, माह - मई / जून 2024

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर

आईटीआई और डिप्लोमा के छात्रों को उपलब्धि प्रमाण पत्र द्वारा सम्मान...
टी-टीईपी के तहत 18 छात्रों ने सामान्य तकनीकी श्रेणी में पाठ्यक्रम किया सम्मपन...

श्री रावतपुरा सराकर निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायपुर में आईटीआई और इंजीनियरिंग (डिप्लोमा) के शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के कुल 18 छात्रों ने

सामान्य तकनीकी श्रेणी में टोयोटा ट्रेनिंग एजुकेशनल प्रोग्राम (टी-टीईपी) को सफलतापूर्वक पूरा किया जिसमें छात्रों ने टी-टीईपी के तहत डीजल इंजन और पेट्रोल इंजन के व्यावहारिक ज्ञान को समझा और परखा। सर्विस कायज़न टोयोटा रायपुर के डीजीएम सुशांत डे और यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने छात्रों को "सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंसमेंट" प्रदान किया । आईटीआई से जीतेंद्र, ताकेश कुमार, देवेश टंडन, कुलेश्वर प्रसाद, मुकजुल वर्मा, योगेश वर्मा, युवराज वर्मा, अभिषेक वर्मा, उदय कुमार, चंदन वर्मा, चेतन पैनादरिया, चंदन साहू, तुषार यादव और इंजीनियरिंग (डिप्लोमा) के छात्र

आकाश चक्रवर्ती, गिरिराज किशोर, देवव्रत साहू, लोमेन्द्र सिवाने, विवेकानन्द साहू ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर प्रमाण पत्र प्राप्त किया । सम्मान समारोह में उप.रजिस्ट्रार दीप शर्मा, डॉ.अजय गुप्ता (एचओडी मैकेनिकल), श्री आर.एम.पटेल(प्रिंसिपल आईटीआई)असिस्टेंट प्रोफेसर तरूण सोनवानी भी उपस्थित थे।

विषय 'सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार के अवसर' पर कार्यशाला का आयोजन...
एस.आर.यू में रोजगार अधिकारी श्री केदार पटेल ने युवाओं को किया संबोधित..

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, रायपुर द्वारा निर्देशित छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं के लिये रसूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर, नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (NRDA) द्वारा श्री रावतपुरा सरकार उनिवर्सिटी में कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में नया रायपुर में युवाओं के लिये आई. टी. एवं संबंधित क्षेत्र में रोजगार के उपलब्ध अवसरों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । इस कार्यशाला में एन.आर.डी.ए अधिकारी नवीन जी की उपस्थित में रोजगार अधिकारी नया रायपुर से श्री केदार पटेल ने रोजगार प्राप्ति से सम्बंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं में ध्यान केन्द्रित करते हुए युवाओं को रोजगार प्रप्ति के लिए ज्ञान और कौशल के माध्यम से स्वयं को निर्मित करने को कहा। वि.वि के कुलपति एस.के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा जी ने युनिवेर्सिटी के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात रोजगार प्रपात कर समाज और राष्ट्र में योगदान देने की बात कही ।

“विकसित भारत @2047: ए चैलेंजिंग रिजॉल्यूशन” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन..

हम सुखी रहें और विश्व को प्रसन्न रखें यही है विकसित भारत की संकल्पना, मात्र आर्थिक ही नहीं मानवीय और सांस्कृतिक विकास है विकसित भारत की पहचान... मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव भाई शर्मा

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में "विकसित भारत @2047ः ए चैलेंजिंग रिजॉल्यूशन" विषय पर समाज विज्ञान (सोशल साइंस) संकाय द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार की बहु-उद्देश्यभावी योजना 'विकसित भारत@2047' विषय पर देश के सभी नागरिकों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों को सहयोगी बना कर सभी स्तरों पर एक सफल विमर्श करना है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के सभी शोधार्थियों, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों का कुल पंजीयन ऑनलाइन और

ऑफलाइन माध्यम से २५० से अधिक रहा। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, तत्पश्चात मंचासीन माननीय कुलपति प्रो. एस के सिंह, उप- कुलसचिव मनोज कुमार सिंह, मुख्य अतिथि के.टी.यू.जे.एम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा और विशेष अतिथि प्रोफेसर रवीन्द्र ब्रह्मे ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य विषय "विकसित भारत @2047ः अ चैलेंजिंग रिजॉल्यूशन" विषय पर आधारित सोविनियर (प्रोसीडिंग) का विमोचन किया जिसमें प्रतिभागियों के 100 शोध सारांश का विस्तारपूर्वक उल्लेख दिया गया है।

स्वागत उद्बोधन में एस.आर. यू के कुलपति प्रो. एस के सिंह ने समाज विज्ञान संकाय को विषय "विकसित भारत @2047ः अ चैलेंजिंग रिजॉल्यूशन" का

चुनाव करने के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकसित भारत @2047 की परिकल्पना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आर्थिक विकास के मानकों जैसे जी.डी.पी और प्रति व्यक्ति आय के साथ मानव विकास सूचकांक, हरित सूचकांक, विश्व प्रसन्नता सूचकांक में भी भारत का विकास होने से ही समृद्ध और विकसित भारत का सपना पूर्ण हो सकता है। तत्पश्चात इस संगोष्ठी के मुख्य समन्वयक डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने "विकसित भारत @2047ः अ चैलेंजिंग रिजॉल्यूशन" विषय पर आयोजित संगोष्ठी की रुपरेखा प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने भारत के विकास में आने वाली बाधाओं की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए माननीय मंच और सभागार में उपस्थित विद्वतजनों का एक सार्थक विमर्श के लिए आह्वान किया।

विशेष अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्विद्यालय रायपुर के स्कूल ऑफ स्टडीज एवं इकॉनोमिक्स के डीन प्रो. रवीन्द्र ब्रह्मे ने संगोष्ठी के विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि आज देश को विकास के बहुत से अवसर उपलब्ध हैं और किसी भी देश का आर्थिक विकास उसके सकारात्मक और नकारात्मक वातावरण पर निर्भर करता है। इसके साथ प्रो. रवीन्द्र ने कहा कि , इतिहास में विकास के प्राकृतिक अवसर सभी को प्राप्त हुए हैं और भारत के लिए भी आगामी *० साल विकसित राष्ट्र बनाने का स्वर्णिम समय है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के माननीय कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि

भारत को जानने और समझने के लिए युवाओं को डिग्री प्राप्त करने वाली पुस्तकों के साथ- साथ मानवीय मूल्यों ,सांस्कृतिक और राष्ट्रीय गरिमा से सम्बंधित पुस्तकों का अध्ययन करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प सिर्फ आर्थिक विकास ही नहीं विश्व स्तर पर सुख एवं शांति प्रदान करना भी विकास का मूल आधार है, यही कारण है कि आज विश्व में चल रहे विभिन्न देशों के मध्य युद्धों के समाधान में भारत की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है।

तीन तकनीकी सत्रों में हाइब्रिड माध्यम से देश के अनेक उच्च शिक्षण संस्थानों के १०० से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये, जिसमें राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक समस्याओं से संबन्धित विषयों पर व्यापक विमर्श किया गया। वहीं दूसरी तरफ विज्ञान और तकनिकी क्षेत्र से सम्बंधित शोध पत्रों में नवाचार, उद्यमशीलता, हरित उर्जा, सतत विकास जैसे अनेक विषयों पर गंभीर चिन्तन प्रस्तुत किया गया। अंततः संगोष्ठी के समापन समरोह में सहायक समन्वयक डॉ. नरेश गौतम ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और इस संगोष्ठी के सफल संपादन में योगदान देने वाले विश्विद्यालय के सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. अवधेश्वरी भगत, आयोजक सचिव डॉ.अंजली यादव, डॉ. पुष्पा भारती, सचिव डॉ. सुजाता घोष, डॉ. चित्रा पाण्डेय, सुश्री. सम्प्रिती भट्टाचार्य, चीफ पी.आर.ओ श्री राजेश तिवारी एवं संपूर्ण विश्विद्यालय परिवार उपस्थित रहा ।श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के सफलता पूर्वक समापन की शुभकामनाएं दी।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी की सहायक प्राध्यपक डॉ. माधवी पांडे को प्रसिद्ध श्रृंखला, फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स इन बायोटेक्नोलॉजी की संपादक बनने का मिला गौरव!

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय से एप्लाइड साइंस की सहायक प्रोफेसर डॉ. माधवी पांडे, फ्यूचरिस्टिक ट्रेंड्स इन बायोटेक्नोलॉजी वॉल्यूम 3 पुस्तक के संपादन का हिस्सा बनीं, जिसे इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिकेशन (आईआईपी) द्वारा प्रकाशित किया गया था। संपादक के रूप में अपनी भूमिका के अलावा, डॉ. पांडे ने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और विशेषज्ञता प्रदान करते हुए एक अध्याय भी लिखा है। इस व्यापक खंड में नवीनतम जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों और भविष्य को आकार देने वाले रुझानों पर गहन विश्लेषण और चर्चाएं शामिल हैं। कवक की एक आकर्षक प्रजाति, कॉर्डिसेप्स की दुनिया का अध्याय, विभिन्न वैज्ञानिक विषयों में गहन अन्वेषण का विषय बन गया है। यह पांडुलिपि कॉर्डिसेप्स का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करती है, इसकी पारिस्थितिकी, खेती, जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालती है। पारिस्थितिक रूप से, कॉर्डिसेप्स ने शोधकर्ताओं को अपने जटिल जीवन चक्र और कीट मेजबानों के साथ दिलचस्प बातचीत के साथ आकर्षित किया है। मेजबान व्यवहार में हेरफेर करने और उनके शरीर के भीतर प्रचार करने की उनकी अद्वितीय क्षमता कीट नियंत्रण और जैव विविधता संरक्षण के संभावित प्रभावों के साथ, उनके विकासवादी अनुकूलन को रेखांकित करती है। खेती की तकनीकों में प्रगति ने कॉर्डिसेप्स के बड़े पैमाने पर उत्पादन को सक्षम किया है, जिससे जंगली आबादी पर दबाव कम हुआ है और उनके व्यावसायिक दोहन में रुचि बढ़ी है। विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह और रजिस्ट्रार सौरभ कुमार शर्मा डॉ. माधवी पांडे की उनके काम के लिए सराहना करते हैं।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. अनुभूति कोशले रिसर्च एंड रिव्यूज़ इन केमिकल साइंस वॉल्यूम II पुस्तक की संपादक के रूप में किया प्रतिनिधित्व

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के विज्ञान संकाय की डीन डॉ. अनुभूति कोशले को ?रासायनिक विज्ञान में अनुसंधान और समीक्षा? के पन्नों के माध्यम से अन्वेषण और खोज की यात्रा शुरू करने के लिए सभी पृष्ठभूमियों से एक संपादक के रूप में आमंत्रित किया गया था। यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान और प्रेरणा की किरण के रूप में काम करती है, क्योंकि हम आणविक दुनिया के रहस्यों को उजागर करना जारी रखते हैं और समाज की भलाई के लिए इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग करते हैं। रासायनिक विज्ञान अनगिनत नवाचारों के केंद्र में है जो हमारी आधुनिक दुनिया को आकार देते हैं, नवीन सामग्रियों और फार्मास्यूटिकल्स से लेकर टिकाऊ ऊर्जा समाधान और पर्यावरणीय उपचार तक। यह पुस्तक विद्वानों, शोधकर्ताओं और उत्साही लोगों के लिए रासायनिक विज्ञान के बहुमुखी परिदृश्य का पता लगाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, जिसमें सैद्धांतिक सिद्धांतों से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक विविध विषयों को शामिल किया गया है। एक संपादक के रूप में, डॉ. अनुभूति को दुनिया भर के विशेषज्ञों और विचारकों द्वारा लिखे गए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए लेखों का एक संग्रह प्रस्तुत करने का सौभाग्य मिला। प्रत्येक योगदान अद्वितीय अंतर्दृष्टि, कार्यप्रणाली और दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो अणुओं और पदार्थ की जटिल परस्पर क्रिया के बारे में हमारी समझ को समृद्ध करता है। आईएसबीएनः 978-93-95847-31-5 के साथ रासायनिक विज्ञान खंड II में अनुसंधान और समीक्षा का उद्देश्य मौलिक अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटकर अंतःविषय संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना है। रासायनिक विज्ञान में नवीनतम विकास और उभरते रुझानों को प्रदर्शित करके, हम नए विचारों को प्रेरित करने, नवीन समाधानों को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र को अज्ञात क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह और रजिस्ट्रार सौरभ कुमार शर्मा रसायन विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. अनुभूति कोशले के काम की सराहना करते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने दिखाया प्रकृति के प्रति प्रेम
एस.आर.यू के कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा ने पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण की दिलाई शपथ

श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय में 05 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पौधा रोपण किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा द्वारा सभी

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, जल, वायु और भूमि को प्रदूषण से मुक्त रखने और सदैव पर्यावरण संरक्षण के लिए बने कानूनों और नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। विश्व पर्यावरण दिवस पर पृथ्वी की सुरक्षा और संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी पर अपने विचार व्यक्त कर चीफ पी.आर.ओ राजेश तिवारी, आयोजक डॉ. नरेश गौतम समाज कार्य विभाग एवं अन्य शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ सदस्य ने भी शपथ लेकर अपने आने वाली पीढ़ियों के एक स्वस्थ गृह बनाने का संकल्प लिया। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस के सिंह एवं प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने और हमेसा हरित वातावरण बनाये रखने की सलाह दी।

रायपुर सआरयू में हुआ एक दिवसीय सेमिनार प्रोसिडिंग विमोचन

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में "विकसित भारत @2047: ए चैलेंजिंग रिजॉल्यूशन" विषय पर समाज विज्ञान संकाय द्वारा 11 मई 2024 को हुये एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रोसीडिंग का विमोचन वाइस चांसलर प्रो. एस. के. सिंह द्वारा किया गया। इस प्रोसीडिंग पुस्तिका में देश भर से आए 100 से अधिक शोध पत्रों के सारांश शामिल हैं, साथ ही संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं एवं पढ़े गए शोध पत्रों पर हुये विचार विमर्श को भी शामिल किया गया, जो भारत सरकार की बहु-उद्देश्यभावी योजना 'विकसित भारत@2047' को आगे ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। इस विमोचन में श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह एवं डीन एकादमिक डॉ आरआरएल बिरली के साथ समाज विज्ञान संकाय की डीन, संगोष्ठी के संयोजक और समाज विज्ञान के संकाय के सभी शिक्षक शामिल रहे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में मनाया गया दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस.... मानसिक शक्ति को जागृत करता है योग श्री रविशंकर जी महाराज

दशवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में इस वर्ष के थीम 'स्वयं और समाज के लिए योग ' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं महर्षि पतंजलि के स्तुती से हुआ। तत्पश्चात अपने स्वागत उद्बोधन में प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग से एकतरफ शरीर लचीला होता है तो दूसरी तरफ मन भी सुदृढ़ होता है। योग हमे अपने काम के प्रति मन को एकाग्रचित करना सिखाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, स्वामी प्रपत्नानंद जी (प्रतिनिधि रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद आश्रम रायपुर) ने अपने संबोधन में कहा कि योग लौकिक और पारलौकिक दोनों जीवन में सुख-शांति प्रदान करता है। इससे शरीर स्वच्छ और सबल बनता है। इसके अभ्यास से न सिर्फ बुद्धि परिष्कृत होती है बल्कि योग अन्तःशक्ति को जानने का अवसर भी प्रदान करता है। योग एकाग्रता प्राप्त करने और मन को नियंत्रित करने का प्रबल माध्यम है। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री रविशंकर महाराज जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन आवश्यक है उसी प्रकार प्रत्येक प्राणी के लिए योग आवश्यक है। योग न केवल चित्त को शुद्ध करता है बल्कि यह व्यक्ति के मानसिक शक्ति को भी जागृत करता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को योग का अध्ययन और अभ्यास अवश्य

करना चाहिए। श्री महाराज जी ने यह भी कहा कि योग पूर्णतः वैज्ञानिक पद्धति है जिसे अपनाने के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं है। योग करने से विद्यार्थियों की धारण शक्ति भी बढ़ती है। आभार उद्बोधन में कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने कहा कि योग दिवस जीवन में योग को अपनाने के लिए संकल्प लेने का दिन है। योग स्वयं को समाज से जोड़ने का भाव देता है। जैसे भोजन में रोज नमक का उपयोग करते हैं वैसे ही प्रतिदिन लोगों को थोड़ा बहुत योग का अभ्यास अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमानन्द साहू एवं श्री आशीष धर दीवान द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों, पदाधिकारियों एवं आचार्यों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्देशित सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. राधिका चंद्राकर द्वारा किया गया।

श्री रावपतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक सत्र 2024-25 का उद्घाटन समारोह ,मंदिर परिसर में विशेष पूजन...

श्री रावपतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में 27 जून 2024 को शैक्षणिक सत्र 2024-25 का शुभारंभ मंदिर परिसर में विशेष पूजन कर किया गया। इस विशेष पूजन में यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने सनातन संस्कृति की परम्परा का निर्वहन करते हुए शैक्षणिक सत्र का प्रारंभ प्रातः गणेश जी और ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की वंदना से किया।

इस महतवपूर्ण शैक्षणिक सत्र के क्षण में डीन एकेडेमिक प्रोफेसर आरआरएल बिराली एवं सभी डीन, विभागा अध्यक्ष, प्रोफेसर एवं छात्र- छात्राएं विशेष पूजन शामिल हुए और आशीर्वाद प्रपात किया। यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. एस. के. सिंह ने नवीन शैक्षणिक सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों और उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उनके उज्वल भविष्य शुभकामनाए दी।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी कैंपस प्लेसमेंट हाइलाइट्स (मई और जून)

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने मई और जून में चार सफल कैंपस भर्ती अभियानों के साथ वर्ष २०२४-२५ प्लेसमेंट सीज़न की उल्लेखनीय शुरुआत की थी। प्रतिष्ठित संगठन बजाज आलियांज, भारत फाइनेंस (इंडसइंड बैंक की 100% सहायक कंपनी), क्रायोविवा बायोटेक और न्यूट्रिफिल हेल्थकेयर प्राइवेट। लिमिटेड ने होनहार प्रतिभाओं की तलाश के लिए परिसर का दौरा किया।

बजाज आलियांज भर्ती अभियान

परिसर उत्साह से भरा हुआ था क्योंकि कई छात्रों ने बजाज आलियांज द्वारा आयोजित भर्ती प्रक्रिया में भाग लिया था। कंपनी, जो अपने व्यापक बीमा समाधानों के लिए जानी जाती है, ने अपने प्रतिष्ठित रैंक में स्थान सुरक्षित करने के लिए उत्सुक बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को आकर्षित किया। हमारे छात्रों का उत्साह और तैयारी स्पष्ट थी, जिससे चयन प्रक्रिया अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गई।

भारत फाइनेंस समावेशन अभियान

बजाज आलियांज ड्राइव के बाद, भारत फाइनेंस इंक्लूजन ने भी अपनी भर्ती प्रक्रिया आयोजित की। वित्तीय समावेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर, भारत फाइनेंस ने हमारे छात्रों को वंचित समुदायों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक गतिशील टीम में शामिल होने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। छात्रों की प्रतिक्रिया भी उतनी ही उत्साहपूर्ण थी, जो सार्थक वित्तीय पहल में योगदान देने के उनके जुनून को दर्शाती है।

क्रायोविवा बायोटेक भर्ती अभियान

उत्साह को बढ़ाते हुए, जैव प्रौद्योगिकी में अग्रणी नाम क्रायोविवा बायोटेक ने हमारे परिसर में अपना भर्ती अभियान चलाया। अपने अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार के लिए प्रसिद्ध कंपनी ने छात्रों को बायोटेक उद्योग में करियर तलाशने के लिए एक मंच प्रदान किया।

न्यूट्रिफिल हेल्थकेयर प्रा. लिमिटेड भर्ती अभियान

न्यूट्रिफिल हेल्थकेयर प्रा. हेल्थकेयर क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कंपनी लिमिटेड ने भी अपना कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव चलाया। इस अभियान में विभिन्न विषयों के छात्रों ने कंपनी के भीतर विविध भूमिकाओं के लिए प्रतिस्पर्धा की, जो हमारे विश्वविद्यालय में विकसित बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करता है।

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

हमें इन अभियानों से सफल प्लेसमेंट की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि

भारत फाइनेंस में हमारे चार एमबीए छात्रों (लोमेश छत्री,अंजलि कौशल,एलीशा दोशी, शुभम सिंह) को सहायक शाखा प्रबंधक के प्रतिष्ठित पद के लिए प्रस्ताव पत्र प्राप्त हुए।

क्रायोविवा बायोटेक में एमबीए विभाग से सुप्रिया टेकेदार का चयन रिलेशनशिप एक्जीक्यूटिव के पद पर हुआ। सुप्रिया का चयन हमारे छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा और क्षमता को उजागर करता है, जो विभिन्न उद्योगों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।

न्यूट्रिफिल हेल्थकेयर प्रा. लिमिटेड में कंपनी के भीतर विभिन्न पदों के लिए सात छात्रों का चयन किया गया जिसमे कावेरी साहू (बी फार्मेसी) - चिकित्सा प्रतिनिधि, प्रतिमा दास (एमबीए) – पीआरओ,जिगी कुर्रे (एमबीए) - चिकित्सा प्रतिनिधि,मिताली साहू (डी फार्मेसी) - चिकित्सा प्रतिनिधि,अनिल कुमार (बी फार्मेसी) - चिकित्सा प्रतिनिधि,गौतम साहू (बी फार्मेसी) - चिकित्सा प्रतिनिधि,तारकेशवर साहू (बी फार्मेसी) - चिकित्सा प्रतिनिधि थे।

बजाज आलियांज, भारत फाइनेंस, क्रायोविवा बायोटेक और न्यूट्रिफिल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सफल प्लेसमेंट ड्राइव यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए उत्कृष्ट कैरियर के अवसर प्रदान करने के लिए श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना करता है। हम सभी चयनित उम्मीदवारों को बधाई देते हैं और भविष्य में ऐसी कई उपलब्धियों की आशा करते हैं।

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम	**प्रो. एस. के. सिंह**	**डॉ. सौरभ कुमार शर्मा**
प्रति - कुलाधिपति	कुलपति	कुलसचिव
प्रधान संपादक	संपादक	ग्राफिक्स डिज़ाइन
राजेश तिवारी	**शुभम नामदेव**	**विवेक विश्वकर्मा**